

## एहसान | By Hari Sharma

एहसान तेरे प्रभु चूका ना सकूँ  
मुझे इतना दिया मैं गिना ना सकूँ

क्या थी मेरी जिंदगानी सुख चैन भी खो गया था  
सोइ हुई थी किस्मत भी मेरी दिल भी ये मेरा खुद रो रहा था  
तुमको तो ये सब है पता तुमसे क्या है बाबा छिपा  
कितना साथ दिया मैं बता ना सकूँ  
मुझे इतना दिया मैं गिना ना सकूँ

लायक नहीं था मैं फिर भी लायक तुम्ही ने बनाया  
गलती की माफ़ी देकर के मुझको चरणों में अपने बिठाया  
किस्से तेरी दया के प्रभु सबको ही मैं सुनाता रहूँ  
कैसे संभाला मुझे मैं बता ना सकूँ  
मुझे इतना दिया मैं गिना ना सकूँ

सपने किये मेरे पूरे ना कोई अब तो कमी है  
कर जोड़ के मोहित दर पे खड़ा है बस प्रार्थना अब मेरी यही है  
भूल से भी ना भूलूँ तुम्हे माफ़ करना सदा तुम हमें  
नाम दिल से मेरे तेरा मिटा ना सकूँ  
मुझे इतना दिया मैं गिना ना सकूँ

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%8f%e0%a4%b9%e0%a4%b8%e0%a4%be%e0%a4%a8-by-hari-sharma>

/